

## उच्च उत्पादकता और लाभप्रदता के लिए पार्श्विक फल वाली अखरोट की किस्में

कृषि कुंभ (जुलाई 2023),  
खण्ड 03 भाग 02, पृष्ठ संख्या 117-118



## उच्च उत्पादकता और लाभप्रदता के लिए पार्श्विक फल वाली अखरोट की किस्में

सिद्धार्थ शर्मा<sup>1</sup>, शगुन शर्मा<sup>1</sup>, डॉ. पंकज कुमार<sup>2</sup>,  
डॉ. प्रमोद वर्मा<sup>3</sup> और डॉ. रजनीश शर्मा<sup>4</sup>

<sup>1</sup>एमएससी शोधकर्ता, <sup>2</sup>सहायक प्रोफेसर, जैव प्रौद्योगिकी विभाग,  
<sup>3</sup>सहायक प्रोफेसर, फल विज्ञान विभाग, <sup>4</sup>विभाग के प्रमुख, जैव प्रौद्योगिकी विभाग  
डॉ. यशवंत सिंह परमार औद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, सोलन, हिमाचल प्रदेश, भारत।

Email Id: [sidharthsharma024@gmail.com](mailto:sidharthsharma024@gmail.com)

### परिचय

एक पेड़ की फल देने की आदत को कलियों के स्थान से पहचाना जा सकता है, जो फूल और फल पैदा करते हैं। आदत के आधार पर पेड़ों की छंटाई और स्कीफिंग जैसे सांस्कृतिक संचालन की सुविधा के लिए छह श्रेणियों में वर्गीकृत किया जाता है:

1. फलदार कलियाँ अंतिम सिर से उत्पन्न होती हैं और पत्तेदार अंकुरों का उत्पादन करती हैं जो फूलों के समूहों में समाप्त होती हैं, जैसे सेब।
2. फलों की कलियाँ अंतिम सिर से उत्पन्न होती हैं और पत्तियों के बिना पुष्पक्रम को जन्म देती हैं। जैसे आम और चेरी।
3. फलों की कलियाँ अंतिम सिर से फलती हैं और फूलों के गुच्छों के साथ पत्तेदार अंकुरों का उत्पादन करती हैं, जैसे अमरुद।
4. फलों की कलियाँ पार्श्विक रूप से केवल फूलों के हिस्सों से युक्त होती हैं और पत्तियों के साथ या पत्तियों के बिना पुष्पक्रम को जन्म देती हैं, वे आकार में कम हो जाते हैं, जैसे साइट्रस।
5. फलों की कलियाँ पार्श्विक रूप से उत्पन्न होती हैं और फूलों के समूहों में पत्तेदार अंकुरों का उत्पादन करती हैं, जैसे अंगूर और काजू।
6. फलों की कलियाँ पार्श्विक रूप से उत्पन्न होती हैं और पत्तेदार अक्षों में फूलों के गुच्छों के साथ पत्तेदार अंकुर पैदा करती हैं, जैसे अंजीर।

### अखिर क्यों अखरोट की पार्श्विक फल देने वाली किस्मों को प्रचारित करने की आवश्यकता है ?

अखरोट के अधिकांश बागानों में मुख्य रूप से अंतिम सिर से फल देने वाली किस्में होती हैं, जिनमें फूल आने और फलने की शुरुआत में देरी होती है। ये किस्में कम पैदावार प्रदर्शित करती हैं और जलवायु परिवर्तन की चपेट में आती हैं, खासकर जब शुरुआती वसंत के दौरान कम तापमान के संपर्क में आती हैं, जिससे पत्तियों और पौधों को गंभीर नुकसान और ठंड की चोट हो सकती है। इसके विपरीत, पार्श्व असर वाली खेती को उनकी पूर्व प्रकृति, उच्च उपज क्षमता और जलवायु परिवर्तन के लिए बढ़ते लचीलेपन की विशेषता है।

### अखरोट की पार्श्विक फल युक्त अखरोट की किस्में

#### चांडलर :

चांडलर एक अत्यधिक उत्पादक अखरोट की किस्म है, जो कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय द्वारा विकसित अपने बड़े, मोटे और उच्च गुणवत्ता वाले नट्स के लिए जानी जाती है। यह एक अच्छी पार्श्विक आदत प्रदर्शित करती है, इसकी पार्श्विक शाखाओं का 90 प्रतिशत उत्पादक होता है, जिसके परिणामस्वरूप प्रचुर मात्रा में पैदावार होती है। चांडलर के पेड़ पहले वर्ष में अखरोट देना शुरू करते हैं और पूरे पेड़ में नट्स का संतुलित वितरण करते हैं, जो प्रति इकाई क्षेत्र में उच्च उपज में योगदान देते हैं। विभिन्न जलवायु

परिस्थितियों के लिए विविधता की अनुकूलनशीलता उत्पादकों के बीच इसकी लोकप्रियता में योगदान देती है।

### हॉवर्ड:

हॉवर्ड एक पार्श्विक फल वाली अखरोट की किस्म है, जिसे कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय द्वारा चांडलर के छोटे चचेरे भाई के रूप में पेश किया गया था और यह सभी अखरोट में सबसे स्वादिष्ट था। यह अपने देर से खिलने के लिए जाना जाता है, जो ठंड क्षति और ब्लाइट के खिलाफ सुरक्षा प्रदान करता है। नट्स को तोड़ना आसान है, फिर भी यह अच्छी तरह से सील करने के लिए पर्याप्त मजबूत है। इस मध्यम जोरदार पेड़ को बागों में अधिक सघन रूप से लगाया जा सकता है, और यह अच्छी उत्पादकता, नियमित असर की आदतों और अखरोट ब्लाइट जैसी बीमारियों के लिए मध्यम प्रतिरोध प्रदर्शित करता है।

### लारा:

अमेरिकी किस्म पायने के पौधों से फ्रांस में चुनी गई लारा अखरोट की किस्म पार्श्विक फल विशेषताओं और उच्च उत्पादकता को प्रदर्शित करती है। यह किस्म अपनी देर से खिलने की आदत के लिए जानी जाती है, जिससे यह देर से वसंत ठंड वाले क्षेत्रों के लिए उपयुक्त है। लारा अखरोट ब्लाइट सहित फंगल रोगों के लिए प्रतिरोधी है और ठंड, एंथ्रेक्नोज और बैक्टीरियल ब्लाइट के लिए अच्छा लचीलापन दिखाती है। यह विभिन्न मिट्टी और जलवायु परिस्थितियों के अनुकूल भी है जो कठोरता और सूखा प्रतिरोध का प्रदर्शन करती है।

### चिको :

चिको अखरोट किस्म को इसकी पार्श्विक फल वाली आदत के लिए जाना जाता है, जिसमें पार्श्विक शाखाओं पर नट्स का उत्पादन होता है। यह सीमित पानी की उपलब्धता वाले गर्म और शुष्क क्षेत्रों के लिए अच्छी तरह से अनुकूल है। चिको अखरोट के पेड़ अक्सर परागणक के रूप में लगाए जाते हैं। चिको अखरोट उच्च गुणवत्ता वाले गुठली के साथ आकार में अपेक्षाकृत छोटे होते हैं।

### सनलैंड :

इस किस्म को कैलिफोर्निया में क्रॉस ब्रीडिंग द्वारा विकसित किया गया है। यह एक पार्श्विक फल वाली किस्म है जिसमें लगभग 90 प्रतिशत उपज होती है। इसका अखरोट बहुत बड़ा, लंबा, अंडाकार और अच्छी तरह से सीलबंद होता है। लेकिन यह ब्लाइट और वसंत ठंड के लिए अतिसंवेदनशील है।

### अखिर क्यों अखरोट की देर से खिलने वाली किस्मों को प्रचारित करने की आवश्यकता है ?

चांडलर और हॉवर्ड जैसी अखरोट की देर से खिलने वाली किस्मों में उन किसानों के लिए फायदेमंद हैं जो वाणिज्यिक स्तर पर अखरोट उगाना चाहते हैं। देर से खिलने वाली किस्मों में पत्ती गिरने और कली फटने के बीच निद्रा अवधि का लंबा अंतराल होता है, जिसके कारण उन्हें बैक्टीरियल ब्लाइट जैसे रोगजनक हमले का खतरा कम होता है।

### अखरोट की देर से खिलने वाली किस्मों की तुलना

अखरोट की किस्में	पत्तों के खिलने का समय	फल संग्रह का समय	फल का कुल वजन
चांडलर	1-10 अप्रैल	अक्टूबर	13.2 ग्राम
हावर्ड	1-10 अप्रैल	सितम्बर	14.3 ग्राम
हार्टले	1-8 अप्रैल	अक्टूबर	14.3 ग्राम
तुलार	1-7 अप्रैल	सितम्बर	14.1 ग्राम
सनलैंड	15-30 मार्च	सितम्बर	17.9 ग्राम
फोर्ड	15-30 मार्च	अक्टूबर	15.5 ग्राम

### निष्कर्ष

फलों की फसल में सुधार के क्षेत्र में काम करने वाले वैज्ञानिकों को देर से खिलने वाली और पार्श्विक फल वाली किस्मों को विकसित करनी चाहिए। साथ ही, कृषि विश्वविद्यालयों को इन वाणिज्यिक किस्मों के रोपण को प्रोत्साहित करना चाहिए ताकि किसानों को लाभ मिल सके और लोगों को अच्छी गुणवत्ता मिल सके।